युक्तमहार्वे अक्रीन्त्रा अस्मुन वार्यप्रान 当至外唱 网 2000 ० (४४४) प नम्मर्ग प्राप्त प्रमन यन्तर । 4.443 E भुद्राद्य ग्रह्मी अवर्ता वन्यक्रे व्याममा दिरत्य थेड इक्कि मरेठवह जर्मिश मन वल्मरून है इसेमचीर मार्चे इस्पन E 0 0 1 द्रवाधः भर्भान न निवन उरक्षक दिन रिश्न निम्ब भन्न सुरि ग्रह क डास्केन प्रशासका वर्ष वद्भिष्नी स्थारलन 35 नहेक्य नई गुर्ह इ दिन दुन इ.स्य, अच्चवड अच्च C137-नगड निर्म प्रमान प्रभः ग्रीवण्य-गाउड किस सीयड क्रिस्ट्र समियानियाँ । दिउट्य वर 不可為不 F#129 うに行 लक्ष (A7(4) नुस्कु न कारे व

निवस्ति कर्ना व्यक्तिया अस्त्रम् अवये यनेणभानि । उष्ट्या १ भडे थेल भि ३ मी होरे अथाण्ड १ इयेल्डे प्रेयमभनिद्विष्ण्या ार्निक्स्पार्ट्रस्थाहे गायस्त्रभाग्यार्थीव न्यार सम्बद्ध १।। यहमम्। न्याक्नमण िल असिश्वरण्यम् द्वाराम्या रगम्थ्यनकर् यद्भम् उपम्पर्य रिद्रानीम्द्रिय मक्य रिविचेथं उउःमिन्यक्लम् संकिर्वन क न्य ग्रम्भ उडर अहम डानेष सहये ० रवये 3 विवस्ति हे जिल्य म वर्ण्य न (सहया विध्यप विक्रवेड हक्ष्ण्यभटे । एउवे म्बुर्म् ने गाड रूपव १ विद्वार्य भव्यक्षे मान्याय स्थाप महमस्ट्रीट स्तातिक स्तातिक त्राप्तिक त्राप्तिक त्राप्तिक स्तातिक रे विकार के का स्ट्रिक के स्टूबर के का स्टूबर का स्टूबर के का स्टूबर का स्टूबर के क

वर्ण्यनभानीय म्यादि निर्मे ये व्यमीधीर्मक भद्रान्याये नवये । मद्रभमें इद्रांति राद्रणी भिद्रापमहाभमे के सहय के बासकेष कि है व्हर्वकृष्टे द्रन्तिह यहवेरेहः देनकः १५कः छ्याधाः अध्महेन ममसम्य भवभारा री रनं हिनायहेनभः । निमक्त्य । ठभूत्य । भेभधुभानुग्राधु सद्भभः वृथ्डेक्न्मण इष्टारि जलभाउँ नारे हिलीभा अद्गम्भः का सहस् ७ वासम्बर्धयाया न्ववं के हें क्रिय इंश्राम्बर्टिंड प्रमेन भया करामेर् राजा हात लशीर ल एक एकं भन्दास्विति इरेकिया उन्धितिरकरण्डे समस्य क्लमारिसक्रिक न्त्रभड्कितिष्ट्र ॥ व्यमव्यक्ष्यन्त्रमञ् **५न चेड्यक्नियव ५न अहमार्ड भए ५३ १६** भारतभारा हुन गाः भारतभारतभारत गार्थ र्वमित्रिसानं मेठ्यसानं साम्माठित वरमानुस्य उत्रः मेक्डध्य यरेणमाने भष्ट्रवृष्ट् उद्रः भवः लेपनानान ३३: महर्गिभाष्यम्यनं एव लेक्ष्याच्या ग्रह्मा हिल्ला हिल्ला स्थान मन्त्रयं एके जीरमन् । कि नी यं नन्मन । मन्भामहार रेडियामग्रहभमहार के अद्य यण्डाविन इति वान्याविक वान्या देवा हि इस्ट्रिट्ट श्रम्भि वर्षेत्र भ सहरू माने। भाभईहार

भीयन । र खिन्न पर के कि वस्तर वस्त्र वस्त्र ००३ उउन्हर्न हिन्द्र । विश्वनीय वेषदे १ वर्ग उध्यक्ष मने प्राप्ति १ विचिणभानि उसीमा द भक्त एउ न इस्पेर याउणभानित्रिया । यद्रभम म्राध्याना अतिय उउट सम्बद्ध वर रेडि-गुभिड्उयो। का किइसे वर्गे महाय अधिव निमाय न्हर्यक्ट्रे ब्रह्मिड्ड लेक्ट्रम द्रीरमिड्म रहःसव देशः प्रथिति वाचाइक्सः विस् भागार्गेवाः अव देनिवितः अने भेया भिरापे ० र ।। विश्वत्रकाः इस्वामन्यम् यन हाइका डेनड पाउराभानि छ । जीवान एने विश्वमनः नियुनीम अस्व प्रमुद्देश उउन् मुहिमं यो छ भा नि ० उ अववस्य कुष्ठित हिंदूरी निष्युत्त विष्युत्त विषयुत्त विषय विषयुत्त विषय विषयुत्त विषयुत्त विषयुत्त विषय विषय विषय विषय वि म अववद्गार्थं इडः राष श्रिक्शुवर्षं इद् उिद्ये । श्रुपं एहे उउपवडः नप्रदू अभिन्न अस्ति म्यान अस्ति ।

भाष्ट्रीयदिक में द्रिया देशी सुरित ने वेर्ड अलाने मियाने १५५: १ रिमा सिक् उड़ार रियननं उडेन मयं येयगीने उडः P3'रे वरः उरः १५४ सि किर्म उर्ध्यात स्वेह विभन्न ३ उउः सिन् नियमिक क्रमधक ॥ अभनेति उद्भवन्त मुष्य ग्रमधुर्ग्ड भन्नि भेलमभी क्राज्यनप्रतं महरूपेयह अर दिव्स सहसर मही भया महे यत है कि क व्मारशिल्ह्यानि। वस्यानमाम्बन्या इन्सम्बिड्म रिष्ट्रधन्द्रक्ते द्रके दन अनमार्वामा भरिका नेन्न्तेल लजासमानिं एउ निव्स्मय्य व्मभा स्क्रियपेश यह कि हे ये विषय रुभिउवेवम गरेकाक्षीउभवानिक न्मेदभन् उः द्रारम्यन्यञ्ची स्भनिदिश। अपन्तां वरुपवर्ग मविद्दाल मही स्त्र ने स्तिति हुई दे वे उर्दे प्रति प्रकाल है असरिक्षिण्डिम् सम्भिन्त्रम्म ।

जनक । अवस्था अगरहरका उन्देक्त कुर्य याना नुभाषाम् भावमध् महभग्रसम्बन्। यहग्रहाम्बर् म्मिक्ति भिष्युवा नुसेर्न्नगायम् र्मयाद्भावत्र । महामास्त्र महामा प्रजन्मिक्रयम् ग्रावसङ्ग्रीन्डर प्यन्द्रभिद्रस्म। नभक्षक्रममञ्ज्यपिष्ठ इधिन देउये सहयुग हिध्उप मम् एक जयमा इस्पे अल्डे दिस्पम स्थित विन्त्रमः ग्रहं भीम यक्भल ग्रीमें हन भुरू ये। विच भगितिरायम्भिदिरायोदभः। ५७ वर्षे वम्बेमभूभवंषिठेव्यि पाउं अल्लभु ने भिरंगनुभमेत्उभी। समुगरिश्मेष्ठदेशह यर दिक्र एभ मेहनेरिन महिन्द इंस्सायंद्र। भेदेमनिमिराक्राङ्गकास्ड र्ह नहीक्लर्मिण्यणवानिभद्रम्। चभाजमभगरपिर, जमभाजकामगुज य्यक्षन्त्र म्यास्मारि। व वयश्वभ द नक्षितिक्भरह्य अस्तिभिभयः

क्रियल हथा भरा भाग के न पर्वेभायता माउकन्परिण सन्भय्भयेयहिंद्यभाउ भग्भुं ५भा यम्भे ५ मु दे मिले दिया नी भया कर भागा द्वभभाग मिर भुद्रे अले जिल चुभा । यदि विक्रम्मस्य भारं किया क्र प्रधारिउ भेजमें इ इम् राष्ट्र हने के अ चनुःक्रणम्याप्या विषयाभवन्याः भयन भाभये बेह भवे जल हल जित व यन ने वें ग्रहारक्नेचयनगर भड्नानकः ज भूम ने ब्रायहन जा म क्या हम ग्राप्ति इन्ड्यार्था युड्मा प्रज्या प्रज्यास्त्र अ राज्यात्र भागा यहरावण ग्रंभादि उंद्राउउँ भविमापि च जीन खडम्भर्डन जाउ र द्वियायमारा हु कि मिर्देश रिमा इसम निम्पडेशम् छत्र उद्यापपुडलका र नडन्डिरिकेड यज्ञ अभिद्रोग्य मम ८उ६ तरा अव्यापार । किन्तु र ।

उवनेभार्मभारा यहनीयरेगरं भीगा हम्प्रचेरम्य भाष्ट हन्ज १ ७५ व् वगरयम्भवरुष्धमानियः क्रियारा न्सन्य उपनी नितन्ति १ प्रभाष् न्संभ्रः न्त्रभामाम्या उम्बिनी भाषाज्ञ ज्ञाबाक्ष विन्भभ ०० भागाञ्च पथा कंडा यशिन में स्टामम साम देता के यमन् राक्षकलानि ०९ नम्मे ५ १वं द्वा वम् यनभन्भः ।पन् प्रमाभगुरं भागन् नुभन्भः १३ ५१६ हन्भन्भनाभग्यन्भन भ ः नुस्यमन्म से स्नमञ्जू अभिन्द्रो १८ १९३ प्रयमगड्युज्ञिष्ठार्भित्र वर्गार्भिष्ठा लमस्य वह रहा विण्युः वर्ष हेन् देशीय भ्रामन्यप्रामन्सापर्यः प्रश्रिष्ठानेकान भचभाष्ट्रभनग्भे ग्राजिन्द्रिक्निहिटेंदि में भभा दिर्द इसि भित्र प्रमान प्रमान एना ना का किए के हैं जह ने का रेखे